S.B.D. Government College, Sardarshahar

Two institutional best practices (as per NAAC format)

Best Practice 1

Title of the Practice**: Developing Campus Infrastructure with Bhamashahs' Contribution**

Objectives of the Practice:

- To develop infrastructure for the betterment of the College.
- Transformation of the College into a better HEI for Students.
- To meet the demand of seating arrangement in University Examination.
- New PG Block construction and Development of Unique Sports Infrastruture in the College Campus.
- To develop a sense of belongingness in all the stakeholders of the society.

The Context:

S.B.D.Government College always had Infrastructure Development Initiatives at the core of all its activities. The campus of the college is appreciated by all visitors on campus.

The Practice:

Rajiky Mahavidyalay Vikas Samiti, Sardarshahar in its meetings of 28.10.2015, 27.04.2016, 29.01.2018, 16.04.2018, 23.07.2018, 04.02.2019, 15.04.2019, 10.11.2021 had approved various proposals that Infrastructural Development needs of the College should be prioritized and Bhamashahs' help should be sought for this.

Meet with Stakeholders and Efforts made by the Faculty Members

From time to time under the leadership of Principal, Senior faculty members met the Bhamashahs and Philanthropists of the city. The Bhamashahs helped above the expectation of the College. Senior Faculty Members and Alumni led initiatives to motivate the renowned persons and Bhamashahs for financial help on the issue of Infrastructural Needs of the Institution brought

constant change in Infrastructural Development of the College. This can be seen in (i) Sports Infrastructure Development-Stadium, Track Development (ii) Gymnasium Renovation (iii) PG Block Construction (iv) Big Size Tin Shed construction and (v) Renovation of Main Gate of the College.

Alumini and Senior Faculty Members'Meet with Bhamashahs

Alumni and College Staff Meet with Bhamashahs and Chairman of Nagarpalika Sardarshahar

Evidences of Success:

The Sports infrastructure developed by college with the help of Alumni and Bhamashahs helps not only to the students of this college, but also to the students of nearby 200 villages for organising the sports activity. This adds to the beauty of the campus.

Sports Infrastructure- Track

Sports Infrastructure- Stadium View

New PG Block constructed and it is used for PG Classes and Temporarily the building is handed over to Government Girls College, Sardarshahar.

PG Block Building (At present Govt.Girls College, Sardarshahar Campus)

PG Block and Greenery

Gymnasium is used in the sports activities and for cultural activities of the college.

Students playing Indoor Games in Gymnasium

Students in Gymnasium in a Cultural Event

Big Tin Shed cum Auditorium is being used primarily for the seating arrangements in University Examination and for the cultural and academic events.

मालू परिवार बनाएगा भवन

सरदारशहर. आजादी से पूर्व ताल मैदान में बनी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के लिए मूलचन्द विकास कुमार मालू परिवार की ओर से भवन का निर्माण कराने की स्वीकृति दी है। निर्माण के बाद इस स्कूल का नाम सेठ मूलचन्द मालू राउमा विद्यालय होगा। देश की आजादी से पूर्व गंगा गोल्डन जुबली स्कूल के नाम से स्थापित तथा वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नाम से संचालित विद्यालय के पुराने भवन के नवनिर्माण के लिए भामाशाह मूलचन्द विकास कुमार मालू परिवार ने अपनी स्वीकृति प्रदान की। इस विद्यालय का पुराना भवन वर्तमान में छात्र संख्या के अनुपात में पर्याप्त नहीं है तथा पिछे की मुख्य स्टेशन रोड से यह भवन काफी नीचा होने के कारण वर्षा ऋतु में कमरों में पानी भर जाजने की समस्या भी रहती है। इसके लिए विधायक भंवरलाल शर्मा व राजस्थान राज्य आर्थिक पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष अनिल शर्मा ने भामाशाह एवं युवा उद्योगपति विकास कुमार मालू से चर्चा की।

सोमवार को विकास मालू ने विद्यालय प्रबन्धन को इस कार्य के लिए अपना लिखित आवेदन पत्र सुपुर्द किया। वहीं एसबीडी राजकीय महाविद्यालय में मालू परिवार की ओर से डेढ करोड़ की लागत से बनाए जा रहे बहुउपयोगी डोम को युवा उद्योगपति विकास कुमार मालू व विनय मालू ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा.वीके स्वामी, आचार्य महाश्रमण प्रवास समिति के अध्यक्ष बाबूलाल बोथरा, नगर पालिका अध्यक्ष राजकरण चौधरी, महाविद्यालय विकास समिति के सदस्य जितेंद्रसिंह राजवी, सिद्धार्थ चिंडालिया, डा.देवीशंकर शर्मा, प्रो.अमरचंद कुमावत, प्रो.सोहनलाल आदि ने मालू का सम्मान किया।

Rajasthan Patrika News

Tin Shed cum Auditorium Construction Work

सरदारशहर के एसबीडी कॉलेज में दो करोड़ रु. की लागत से विशाल डोम तैयार, एक साथ दो हजार परीक्षार्थी बैठ सकेंगे

भामाशाह विकास मालू के सहयोग से बनवाया गया डोम, परिसर पूरी तरह हुआ कवर्ड

भास्कर न्यूज | सरदारशहर

राजकीय एसबीडी कॉलेज में भामाशाह विकास मालू के सहयोग बनाया जा रहा टीन का विशाल डोम तैयार हो गया है। इसके तैयार होने से कॉलेज परिसर का खुला अहाता पूरी तरह कवर्ड हो गया है। इसके निर्माण में करीब दो करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। करीब 22 हजार 890 वर्ग फीट स्थान इस डोम से कवर हुआ है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. विनोद स्वामी ने बताया कि आगामी दिनों में भामाशाह विकास मालू इस विशाल डोम का उद्घाटन करेंगे। कॉलेज प्राचार्य ने बताया कि कॉलेज में परीक्षाओं के आयोजन के दौरान जगह की कमी पड़ती थी, ऐसे में इस डोम के तैयार हो जाने के बाद यहां परीक्षार्थी बैठ सकेंगे।

एसबीडी महाविद्यालय में दो करोड़ की लागत से 22890 वर्ग फीट में बना टीनशैड।

अप्रैल में पूरी तरह हो तैयार जाएगा डोम

कॉलेज प्रो. डॉ. प्रभाकर दीक्षित ने बताया कि कॉलेज में बना विशाल टीन का डोम करीब 210 फीट लंबाई व 109 फीट चौड़ा तथा 30 फीट ऊंचा है। इसके नीचे आसानी के दो हजार से ज्यादा लोगों का कार्यक्रम हो सकता है। इस डोम का निर्माण जून 2021 में शुरू हुआ था, अब आगामी अप्रैल में यह पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा। प्राचार्य डॉ.स्वामी ने बताया इस शेड की विशेषता यह है कि यह गर्मियों में ठंडा व सर्दियों में गर्म रहेगा। क्योंकि, इसे फोम सैंडविच पैनल सीट लगाकर बनाया है। वर्तमान में करीब 3500 रेगुलर विद्यार्थी कॉलेज में हैं। इनके साथ ही प्राइवेट स्टूडेंट्स भी परीक्षा देते हैं।

पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ • 2195 बूथों पर पिलाई पांच साल तक के बच्चों को दवा पिलाई

Dainik Bhaskar News

University Examination Seating Arrangement

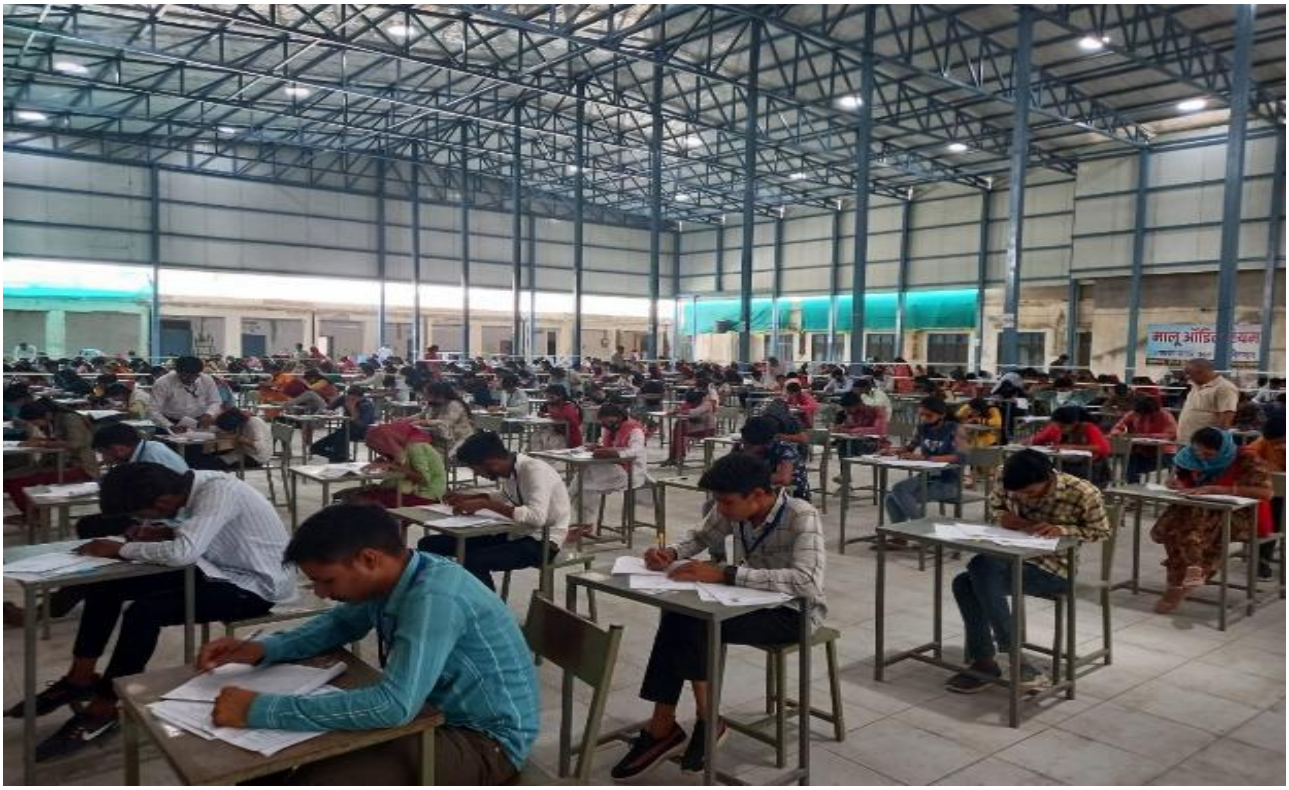

Tin Shed cum Auditorium is used for Seating Arrangements of Students

Problems Encountered and Resources Required

Being a Government College, the institute has less administrative and financial autonomy to set up a system which demands huge financial resources. These resources are a guarantee to secure success in organizing these programs. The support from Bhamashahs and Alumini of the College is required for resource mobilisation.

The College Staff with the M.L.A. and Other Dignitaries

Bhamashah, Alumni, Ex. M.L.A. and other Guests

Maintaining the motivation level in voluntary work and ensuring the wholehearted involvement of Bhamashahs and Alumni in all the time was also a challenge.